



|| श्री गणेशाय नमः ||

राशिफल

Shilpa

18/08/2001 20:05

Dhanera

द्वारा उत्पन्न



पुजारी जी

बुनियादी ज्योतिषीय विवरण

बुनियादी विवरण

जन्म की तारीख	18/08/2001
जन्म का समय	20:05
जन्म स्थान	Dhanera
अक्षांश	24.5063838
देशान्तर	72.0258406
समय क्षेत्र	5.5
अयनांश	23.884366552268997
सूर्योदय	06:21:59
सूर्यास्त	19:08:59

घटक चक्र

महीना	बुद्ध
तिथि	2 (द्वितीय), 7 (सप्तमी), 12 (द्वादशी)
विपरीत लिंग लग्न	मेष
नक्षत्र	अनुराधा
भगवान	बुध
समलिंगी लग्न	तुला
Tatva	पृथ्वी
रासी	सिंह

पंचांग विवरण

तिथि	अमावस्या
योग	वरियां
नक्षत्र	अश्लेषा
करण	चतुष्पदा

ज्योतिषीय विवरण

वर्ण	ब्राह्मण
वास्या	जलचर
योनि	बिल्ली
तिथि	कृ.द्वितीय
नक्षत्राधिपति	बुध
नक्षत्र	अश्लेषा
प्रबल	कुंभ
Tatva	जल
करण	चतुष्पदा
नक्षत्र स्वामी	चंद्रमा
दलदल	सोना
नाम वर्णमाला	दी
रासी	कैंसर
नाड़ी	कफ

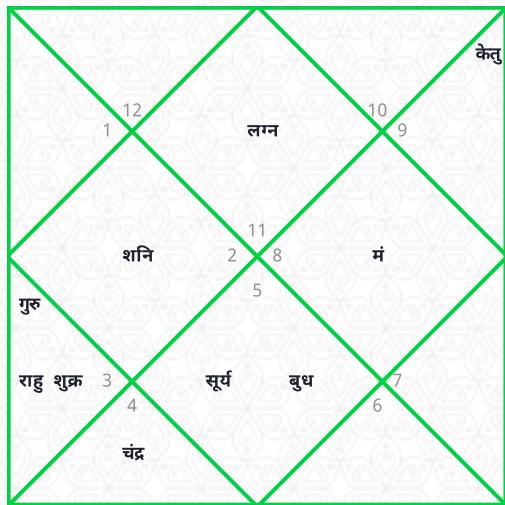
ग्रहों की स्थिति

ग्रहों	आर	संकेत	डिग्री	साइन लॉर्ड	नक्षत्र	नक्षत्राधिपति	घर
लग्नश	कुंभ	319.6631180929051		शनि	शतभिषा(4)	राहु	1
सूर्य	सिंह	121.83586792654532		सूर्य	माघ(1)	केतु	7
चंद्रमा	कैंसर	114.46727106782322		चंद्रमा	अश्लेषा(3)	बुध	6
मंगल	वृश्चिक	236.8669681523108		मंगल	ज्येष्ठ(4)	बुध	10
बुध	सिंह	134.22179135038283		सूर्य	पूर्वाफाल्युनी(1)	शुक्र	7
बृहस्पति	मिथुन	73.70554742704492		बुध	आर्द्र(3)	राहु	5
शुक्र	मिथुन	85.99811017312672		बुध	पुनरवसु(2)	बृहस्पति	5
शनि	वृषभ	49.726427750937354		शुक्र	रोहिणी(3)	चंद्रमा	4
राहु	मिथुन	69.6722373112281		बुध	आर्द्र(1)	राहु	5
केतु	धनु	249.67223731122812		बृहस्पति	मुला(3)	केतु	11

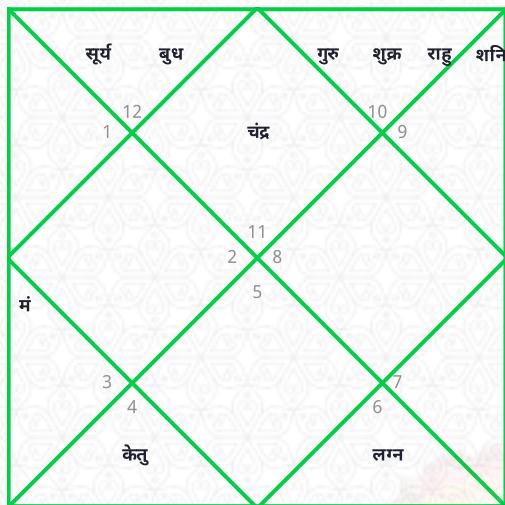
 सूर्य सिंह माघ(1) नुकसानदायक	 चंद्रमा कैंसर अश्लेषा(3) नुकसानदायक	 मंगल वृश्चिक ज्येष्ठ(4) नुकसानदायक
 बुध सिंह पूर्वाफाल्युनी(1) तटस्थ	 बृहस्पति मिथुन आर्द्र(3) अत्यधिक नुकसानदायक	 शुक्र मिथुन पुनरवसु(2) योगकारक
 शनि वृषभ रोहिणी(3) लाभकारी	 राहु मिथुन आर्द्र(1) अशुभ	 केतु धनु मुला(3) अशुभ

राशिफल चार्ट

लग्न कुंडली (जन्म कुंडली)

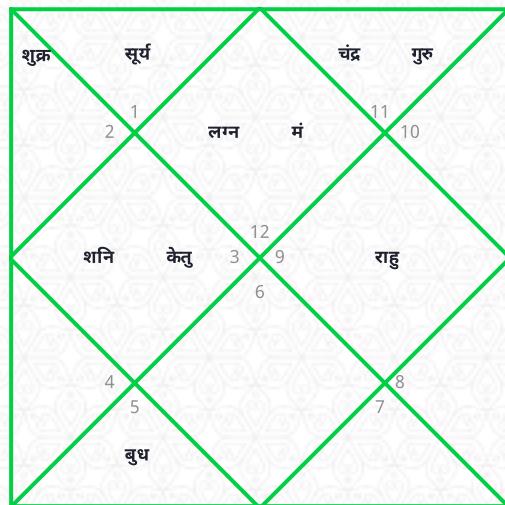


लग्न या लग्न, उस राशि की डिग्री है जो जन्म के समय पूर्वी क्षितिज पर उदित हो रही है। लग्न जन्म कुंडली में सबसे प्रभावशाली और महत्वपूर्ण राशि है। इस राशि को कुंडली का पहला घर माना जाएगा और अन्य घरों की गणना राशि चक्र की बाकी राशियों के अनुसार क्रम से की जाएगी। इस प्रकार, लग्न न केवल उदीयमान चिन्ह को चित्रित करता है, बल्कि चार्ट के अन्य सभी घरों को भी चित्रित करता है।



चंद्र कुंडली

चंद्र चार्ट भविष्यवाणी का एक महत्वपूर्ण उपकरण है और ग्रह संयोजनों के परिणाम तब अधिक प्रमुख होते हैं जब योग या कुछ संयोजन चंद्रमा और लग्न चार्ट दोनों में होते हैं।



नवमांश चार्ट(D9)

नवमांश चार्ट सबसे महत्वपूर्ण मंडल चार्ट है, नवमांश का अर्थ है एक विशेष राशि के नौ भाग जिसमें प्रत्येक अम्सा में 3 डिग्री और 20 मिनट होते हैं।

समग्र मैत्री तालिका

स्थायी मित्रता

ग्रहों	सूर्य	चंद्रमा	मंगल ग्रह	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि ग्रह
सूर्य	--	दोस्त	--	तटस्थ	दोस्त	दुश्मन	--
चंद्रमा	दोस्त	--	--	दोस्त	तटस्थ	तटस्थ	--
मंगल ग्रह	दोस्त	दोस्त	--	दुश्मन	दोस्त	तटस्थ	--
बुध	दोस्त	दुश्मन	--	--	तटस्थ	दोस्त	--
बृहस्पति	दोस्त	दोस्त	--	दुश्मन	--	दुश्मन	--
शुक्र	दुश्मन	दुश्मन	--	दोस्त	तटस्थ	--	--
शनि ग्रह	दुश्मन	दुश्मन	--	दोस्त	तटस्थ	दोस्त	--

अस्थायी मित्रता

ग्रहों	सूर्य	चंद्रमा	मंगल ग्रह	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि ग्रह
सूर्य	--	दोस्त	--	दुश्मन	दोस्त	दोस्त	--
चंद्रमा	दोस्त	--	--	दोस्त	दोस्त	दोस्त	--
मंगल ग्रह	दोस्त	दुश्मन	--	दोस्त	दुश्मन	दुश्मन	--
बुध	दुश्मन	दोस्त	--	--	दोस्त	दोस्त	--
बृहस्पति	दोस्त	दोस्त	--	दोस्त	--	दुश्मन	--
शुक्र	दोस्त	दोस्त	--	दोस्त	दुश्मन	--	--
शनि ग्रह	दोस्त	दोस्त	--	दोस्त	दोस्त	दोस्त	--

समग्र मैत्री तालिका

पांच प्रकार की मित्रता

ग्रहों	सूर्य	चंद्रमा	मंगल ग्रह	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि ग्रह
सूर्य	--	अंतरंग	--	दुश्मन	अंतरंग	तटस्थ	--
चंद्रमा	अंतरंग	--	--	अंतरंग	दोस्त	दोस्त	--
मंगल ग्रह	अंतरंग	तटस्थ	--	तटस्थ	तटस्थ	दुश्मन	--
बुध	तटस्थ	तटस्थ	--	--	दोस्त	अंतरंग	--
बृहस्पति	अंतरंग	अंतरंग	--	तटस्थ	--	कट्टर दुश्मन	--
शुक्र	तटस्थ	तटस्थ	--	अंतरंग	दुश्मन	--	--
शनि ग्रह	तटस्थ	तटस्थ	--	अंतरंग	दोस्त	अंतरंग	--

विंशोत्तरी दशा - 1

बुध	
रवि फरवरी 13 1994	
शुक्र सितंबर 12 2008	
बुध	फरवरी 13 1994
केतु	फरवरी 10 1995
शुक्र	दिसंबर 10 1997
सूर्य	अक्टूबर 16 1998
चंद्रमा	मार्च 16 2000
मंगल	मार्च 13 2001
राहु	सितंबर 30 2003
बृहस्पति	जनवरी 04 2006
शनि	सितंबर 12 2008

केतु	
रवि फरवरी 08 2009	
शनि सितंबर 12 2015	
केतु	फरवरी 08 2009
शुक्र	अप्रैल 10 2010
सूर्य	अगस्त 16 2010
चंद्रमा	मार्च 17 2011
मंगल	अगस्त 13 2011
राहु	अगस्त 30 2012
बृहस्पति	अगस्त 06 2013
शनि	सितंबर 15 2014
बुध	सितंबर 12 2015

शुक्र	
शुक्र जनवरी 11 2019	
शुक्र सितंबर 07 2035	
शुक्र	जनवरी 11 2019
सूर्य	जनवरी 11 2020
चंद्रमा	सितंबर 10 2021
मंगल	नवंबर 10 2022
राहु	नवंबर 09 2025
बृहस्पति	जुलाई 09 2028
शनि	सितंबर 08 2031
बुध	जुलाई 08 2034
केतु	सितंबर 07 2035

सूर्य	
बुद्ध दिसंबर 26 2035	
शनि सितंबर 07 2041	
सूर्य	दिसंबर 26 2035
चंद्रमा	जून 26 2036
मंगल	नवंबर 01 2036
राहु	सितंबर 26 2037
बृहस्पति	जुलाई 15 2038
शनि	जून 27 2039
बुध	मई 02 2040
केतु	सितंबर 07 2040
शुक्र	सितंबर 07 2041

चंद्रमा	
मंगल जुलाई 08 2042	
बुद्ध सितंबर 06 2051	
चंद्रमा	जुलाई 08 2042
मंगल	फरवरी 06 2043
राहु	अगस्त 07 2044
बृहस्पति	दिसंबर 07 2045
शनि	जुलाई 08 2047
बुध	दिसंबर 06 2048
केतु	जुलाई 07 2049
शुक्र	मार्च 07 2051
सूर्य	सितंबर 06 2051

मंगल	
शुक्र फरवरी 02 2052	
गुरु सितंबर 05 2058	
मंगल	फरवरी 02 2052
राहु	फरवरी 19 2053
बृहस्पति	जनवरी 26 2054
शनि	मार्च 07 2055
बुध	मार्च 03 2056
केतु	जुलाई 30 2056
शुक्र	सितंबर 29 2057
सूर्य	फरवरी 04 2058
चंद्रमा	सितंबर 05 2058

विंशोत्तरी दशा - 2

राहु		बृहस्पति		शनि	
बुद्ध मई 18 2061	मंगल सितंबर 01 2076	गुरु अक्टूबर 20 2078	शुक्र अगस्त 29 2092	गुरु सितंबर 01 2095	गुरु अगस्त 27 2111
राहु मई 18 2061		बृहस्पति अक्टूबर 20 2078		शनि सितंबर 01 2095	
बृहस्पति अक्टूबर 11 2063		शनि मई 02 2081		बुध मई 10 2098	
शनि अगस्त 16 2066		बुध अगस्त 07 2083		केतु जून 19 2099	
बुध मार्च 04 2069		केतु जुलाई 13 2084		शुक्र अगस्त 19 2102	
केतु मार्च 22 2070		शुक्र मार्च 13 2087		सूर्य अगस्त 01 2103	
शुक्र मार्च 21 2073		सूर्य दिसंबर 30 2087		चंद्रमा मार्च 01 2105	
सूर्य फरवरी 13 2074		चंद्रमा अप्रैल 30 2089		मंगल अप्रैल 10 2106	
चंद्रमा अगस्त 15 2075		मंगल अप्रैल 06 2090		राहु फरवरी 13 2109	
मंगल सितंबर 01 2076		राहु अगस्त 29 2092		बृहस्पति अगस्त 27 2111	

वर्तमान चल रही दशा

दशा नाम	ग्रहों	आरंभ करने की तिथि	अंतिम तिथि
महादशा	शुक्र	शुक्र सितंबर 18 2015 रात 12:00 बजे	मंगल सितंबर 18 2035 रात 12:00 बजे
अंतर्दशा	राहु	गुरु नवंबर 17 2022 दोपहर 3:00 बजे	सोम नवंबर 17 2025 सुबह 9:00 बजे
पर्यातर्दशा	बुध	शुक्र मार्च 15 2024 दोपहर 1:57 बजे	शनि अगस्त 17 2024 शाम 7:30 बजे
शुक्रशमदाशा	शनि	बुद्ध जुलाई 24 2024 बहुत सवेरे 5:37 बजे	शनि अगस्त 17 2024 शाम 7:30 बजे
प्रणादशा	शनि	बुद्ध जुलाई 24 2024 बहुत सवेरे 5:37 बजे	रवि जुलाई 28 2024 बहुत सवेरे 3:01 बजे

* नोट: सभी तिथियां दशा की समाप्ति तिथि दर्शाती हैं।

लग्न रिपोर्ट

लग्न रिपोर्ट : कुंभ



विशेषताएँ

स्थिर, हवादार, पश्चिम

भाग्यशाली रत्न

नीलमणि

भगवान्

शनि

प्रतीक

पानी वाहक

उपवास का दिन

शनिवार

|ॐ शनैश्चराय विद्धहे छायापुत्राय धीमहि तत्रो मंदः प्रचोदयात् ॥

कुंभ अपने अनुसंधान उन्मुख दृष्टिकोण के लिए जाना जाता है। आप किसी भी प्रयास या पहल में गहराई से उतरेंगे। आप विशेष रूप से चिकित्सा, वित्त, इंजीनियरिंग, शिक्षण, प्रशासन और दर्शन में अनुसंधान क्षेत्रों में बहुत अच्छा करेंगे। यदि लग्न है पीड़ित, आप जीवन में किसी भी चीज़ से संतुष्ट नहीं होते हैं और अपने असंतोष के कारण चिड़चिड़े हो जाते हैं। दूसरी ओर, कुंभ राशि के लोग सभी पहलुओं में बहुत देखभाल करने वाले और भाग्यशाली होते हैं क्योंकि उन्हें अपने जीवन में जो कुछ भी चाहिए वह मिलता है।

आपकी दूरदर्शी और नवोन्वेषी भावना आपको मानदंडों को चुनौती देने और प्रगतिशील विचारों की तलाश करने के लिए प्रेरित करती है। आप बौद्धिक स्वतंत्रता और परिवर्तन को महत्व देते हैं।

जबसे भगवन लग्नेश 4 गृह मे है। मकर लग्न के रूप में, शनि आपको दुर्बल बना देगा। आपको भय और चिंता होगी और बचपन से ही जबरदस्त जिम्मेदारी निभानी होगी। आप अपनी माँ से अलग हो सकते हैं और भाई-बहनों और अपने परिवार की देखभाल करनी होगी। विवादों के कारण आप अपने माता-पिता की संपत्ति को भी खो सकते हैं। आपके शत्रुओं का आप पर अधिकार होगा।

लग्न रिपोर्ट

आध्यात्मिक सलाह

अपनी आध्यात्मिक यात्रा में, अपनी विशिष्टता को अपनाएं और सामूहिक कल्याण के लिए प्रयास करें। ध्यान के माध्यम से अपने उच्च स्व से जुड़ें।

सकारात्मक लक्षण

बौद्धिक

आविष्कारशील

मानवतावादी

अपरंपरागत

नकारात्मक लक्षण

निर्लिप्त

जिद्दी

विलक्षण

निर्वैयक्तिक



धन्यवाद



पुजारी जी

किसी भी प्रश्न के लिए कृपया संपर्क करें